अध्याय-VI

कार्यक्रम उपलब्धियाँ एवं परिणाम की प्राप्ति

6 कार्यक्रम उपलब्धियाँ एवं परिणाम की प्राप्ति

जल जीवन मिशन की मुख्य उपलब्धि वर्ष 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किया जाना है। यह मिशन चार प्रमुख मापने योग्य परिणामों अर्थात, ग्रामीण समुदायों की बेहतर स्वास्थ्य स्थिति, महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाईयों में कमी तथा महिलाओं का सशक्तिकरण, उच्च प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं के स्कूल छोड़ने की दरों में कमी एवं ग्रामीण समुदायों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि, प्राप्त करने का भी प्रयास करता है। जल जीवन मिशन की सफलता का मूल्यांकन उपलब्धियों एवं परिणामों की प्राप्ति के स्तर को मापकर किया जा सकता है, जो उपलब्धि की समयबद्ध आपूर्ति पर निर्भर करता है।

6.1 प्राथमिक उपलब्धि की प्राप्ति नहीं होना

छत्तीसगढ़ लक्ष्य प्राप्त करने में पीछे चल रहा था, मार्च 2024 तक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन की उपलब्धि 78 प्रतिशत थी, योजनायें अभी प्रगति पर थीं तथा पूरी नहीं हुई थीं। अतः कार्यक्रम का उद्देश्य अर्थात् प्रत्येक ग्रामीण परिवार के द्वार तक पेयजल पहुँचाने की मुख्य उपलब्धि पूरी तरह से प्राप्त नहीं हुई थी। 24 गाँवों में 35 योजनाओं के नमूना जाँच के दौरान, केवल तीन योजनायें पूर्ण थी, 30 योजनायें प्रगति पर थीं तथा शेष दो योजनायें अभी प्रारंभ नहीं हुई थीं। अतः, परिणाम का आकलन, 24 गाँवों[1] के संयुक्त भौतिक सत्यापन साथ 475 लाभार्थियों के लाभार्थी सर्वेक्षण (अगस्त-सितंबर 2024) से प्राप्त परिणामों के आधार पर किया गया, ताकि कार्यशील घरेलु नल कनेक्शन की कार्यशीलता का पता बताया जा सके एवं जल जीवन मिशन के लक्ष्यों की तरफ हुई प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके।

यह पाया गया कि केवल 12 गाँवों में 16 योजनाओं के माध्यम से जल आपूर्ति प्रदान की जा रही थी। 475 परिवारों के भौतिक रूप से सत्यापित कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन में से, केवल 172 कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन क्रियाशील पाए गए एवं शेष 303 कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन सूखे पाए गए। 172 क्रियाशील कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन में से, 14 परिवारों ने सूचित किया कि उन्हें कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त जल नहीं मिल रहा था। संयुक्त भौतिक निरीक्षण की स्थिति **चार्ट 6.1** में दर्शाई गई है।

[1] एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली के अनुसार, 5 नवंबर 2024 तक इन 24 गावों में 4,404 कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन थे।

चार्ट 6.1: सर्वेक्षण किए गए 475 लाभार्थियों में जल आपूर्ति की स्थिति

उपलब्धियाँ: दैनिक आधार पर प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर जल की आपूर्ति	24 गांवों में सर्वेक्षण किए गए 475 लाभार्थियों की प्रतिक्रिया	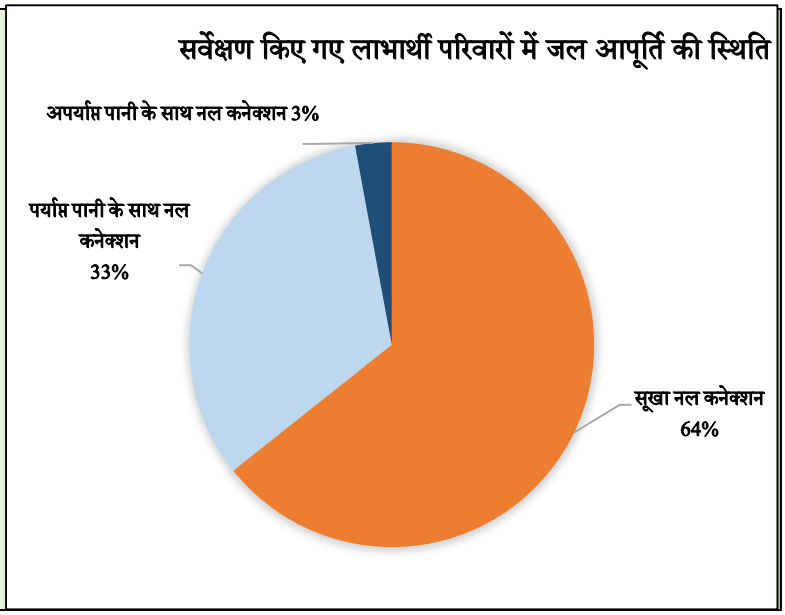

(स्रोत: लाभार्थी द्वारा प्रदान की गई जानकारी एवं लेखापरीक्षा द्वारा संकलित)

ये निष्कर्ष दर्शाते हैं कि कार्यक्रम का उद्देश्य अर्थात् प्रत्येक ग्रामीण परिवार के द्वार तक पेयजल पहुँचाने की मुख्य उपलब्धि पूरी तरह से प्राप्त नहीं हुई है। आकड़े जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रारंभिक आधारभूत संरचना स्थापित किये जाने के बावजूद, जल कनेक्शनों की विश्वसनीयता एवं कार्यशीलता में महत्वपूर्ण मुद्दों को दर्शाते है।

6.2 परिणाम की प्राप्ति नहीं होना

परिणामों को आम तौर पर किसी परियोजना के दीर्घकालिक लक्ष्यों की उपलब्धि के संदर्भ में मापा जाता है। मार्च 2024 तक, जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ ने 50 लाख कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन के लक्ष्य में से 38.97 लाख कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (78 प्रतिशत) प्राप्त किए थे, जिसमें जल जीवन मिशन से पहले के 3.20 लाख मौजूदा कनेक्शन एवं 1.48 लाख निजी कनेक्शन सम्मिलित थे। लेखापरीक्षा ने आगे यह देखा कि राज्य में 29,178 योजनाओं में से, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग केवल 172 योजनाओं को भौतिक रूप से पूरा कर सका एवं 32 योजनाओं को ग्राम पंचायतों/समुदाय को सौंप सका था (मई 2024)। अतः, परिणामों का मूल्यांकन करना शायद असामयिक हैं। लेखापरीक्षा के दौरान पाये गए जल जीवन मिशन आधारभूत संरचना का परिणामों पर प्रभाव की चर्चा नीचे की गई है:

(i) जल जनित रोगों की कमी पर परिणाम

जल जनित रोगों (तीव्र दस्त/जाठरांत्रशोथ, वायरल हेपेटाइटिस, आदि) से संबंधित जानकारी छह नमूना जांच जिलों में से पाँच[2] जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से एकत्र की गई थी। छह नमूना जांच जिलों में से पाँच जिलों की

[2] धमतरी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोंडागांव, कोरबा, महासमुंद

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीयों से एकत्र किए गए वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक जल जनित रोगों की स्थिति **चार्ट 6.2** में दर्शाई गई है।

चार्ट 6.2: परीक्षण जांच किए गए जिलों में प्रतिवेदित किए गए जलजनित रोग की स्थिति

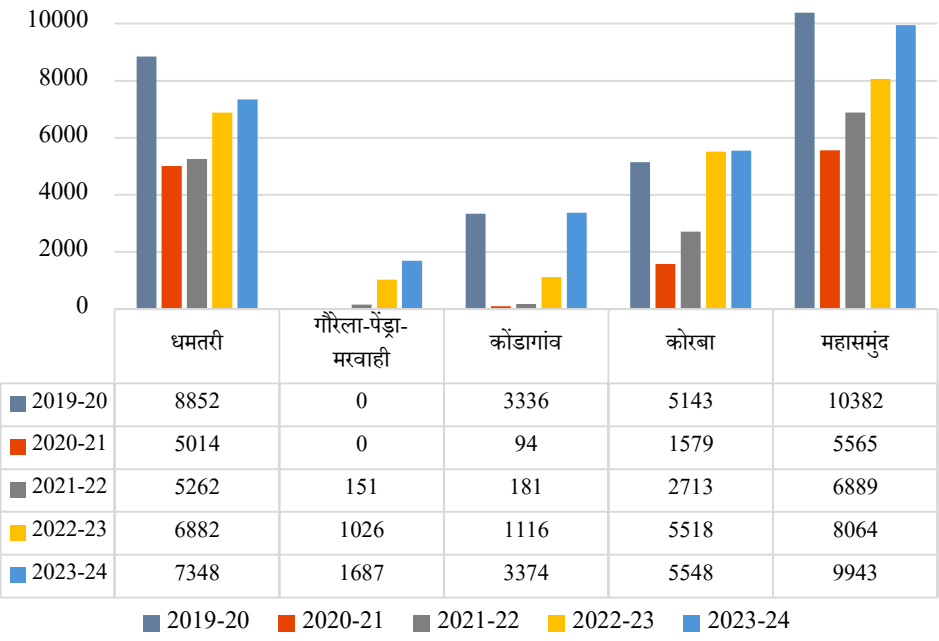

	धमतरी	गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	कोंडागांव	कोरबा	महासमुंद
2019-20	8852	0	3336	5143	10382
2020-21	5014	0	94	1579	5565
2021-22	5262	151	181	2713	6889
2022-23	6882	1026	1116	5518	8064
2023-24	7348	1687	3374	5548	9943

उपरोक्त से स्पष्ट है कि, 2023-24 के दौरान धमतरी जिले में तीव्र दस्त/जाठरांत्रशोथ के सबसे अधिक मामले सामने आए, जिसके बाद क्रमशः कोंडागाँव एवं कोरबा का स्थान रहा। महासमुंद जिले में टाइफाइड के सबसे अधिक मामले सामने आए, जिसके बाद कोरबा एवं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का स्थान रहा। समग्र प्रवृत्ति यह दर्शाता है कि वर्ष 2021 से 2024 के दौरान जलजनित रोगों के मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है।

इसे इंगित किये जाने पर शासन ने कहा (मई 2025) कि विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों का समय-समय पर परीक्षण किया जा रहा था। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, अतः जलजनित रोगों की कोई संभावना नहीं है।

जल जीवन मिशन के अपेक्षित परिणाम अनेक कारकों से प्रभावित हो सकते हैं। अतः, यह निर्धारित करना कठिन है कि परिणाम सीधे योजना के कारण हुए थे अथवा अन्य बाह्य कारकों के कारण। इसके अतिरिक्त, जल जीवन मिशन एक सतत कार्यक्रम है जिसका अभी पूर्ण होना शेष है। तत्काल परिणामों का मूल्यांकन करने से जल जीवन मिशन की प्रभावशीलता की स्पष्ट तस्वीर नहीं मिल सकती है। दीर्घकालिक प्रभाव प्रकट होने में समय लग सकता है तथा अल्पकालिक मूल्यांकन में नहीं पकड़ा जा सकता है।